

प्रेषक,

आर०डी०पालीवाल,
सचिव, न्याय एवं विधि परामर्शी,
उत्तराखण्ड शासन ।

सेवा में,

संयुक्त निदेशक,
उत्तराखण्ड न्यायिक एवं विधिक अकादमी,
भवाली, नैनीताल ।

न्याय अनुभाग - 2

देहरादून : दिनांक : 6 जून, 2008

विषय:- उत्तराखण्ड न्यायिक एवं विधिक अकादमी, भवाली, नैनीताल हेतु वित्तीय वर्ष 2008-2009 में अनुदानान्तर्गत उपलब्ध बचतों से अतिरिक्त धनराशि के व्यावर्तन की स्वीकृति ।

महोदय,

कृपया उपर्युक्त विषयक अपने पत्र संख्या /उजाला/2008-2009, दिनांक 2.6.2008 का सन्दर्भ ग्रहण करने का कष्ट करे ।

2- इस सम्बन्ध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि उत्तराखण्ड न्यायिक एवं विधिक अकादमी, भवाली, नैनीताल के उपयोगार्थ वित्तीय वर्ष 2008-09 में सम्प्रति बजट में कोई धनराशि अवशेष न होने के कारण तथा वर्तमान में उक्त कार्य की आवश्यकता के दृष्टिगत संलग्न बी०एम०-15 के स्तम्भ-1 में अंकित मद में अनुदानान्तर्गत उपलब्ध बचत से बी०एम०-15 के स्तम्भ-5 में अंकित मद संख्या-08-कार्यालय व्यय में रु० 20,00,000/- (बीस लाख रुपये मात्र), मद संख्या-16-व्यावसायिक तथा विशेष सेवाओं के लिए भुगतान में रु० 50,000/- (पचास हजार रुपये मात्र) एवं मद संख्या-46-कम्प्यूटर हार्डवेयर/साफ्टवेयर का क्रय में रु० 10,00,000/- (दस लाख रुपये मात्र) अर्थात् कुल रु० 30,50,000/- (तीस लाख पचास हजार रुपये मात्र) की धनराशि को व्यावर्तित कर व्यय की स्वीकृति निम्न शर्तों के अधीन महामहिम राज्यपाल सहर्ष प्रदान करते हैं :-

- (1) कृपया पूर्व माह के व्यय की सूचना प्रपत्र बी०एम०-13 में अंकित कर प्रतिमाह विलम्बतम 10 तारीख तक शासन में उपलब्ध कराया जाय ।
- (2) उपर्युक्त धनराशि बजट मैनुअल के तत्सम्बन्धी नियमों, क्रय प्रक्रिया के स्थापित नियमों, उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति (प्रैक्चोरमेट) नियमावली, 2008 तथा शासन के अन्य आदेशों द्वारा विनियमित होगी ।
- (3) कृपया यह भी सुनिश्चित करे कि उपर्युक्त अनुदान से अधिक व्यय किसी भी दशा में न किया जाय ।
- (4) कार्यालय फर्नीचर एवं उपकरणों, स्टेशनरी के क्रय हेतु वित्तीय हस्त पुस्तिका, टेण्डर विषयक नियम, मितव्ययता के सम्बन्ध में समय-समय पर निर्गत आदेशों एवं तद्विषयक अन्य आदेशों का अनुपालन किया जाय ।
- (5) कम्प्यूटर, हार्डवेयर, साफ्टवेयर व नेटवर्किंग उपकरणों के क्रय हेतु सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के कार्यालय जाप संख्या-285/पी.एस./2006, दिनांक 23.10.2006 एवं अन्य आदेशों में उल्लिखित व्यवस्थानुसार ही कार्यवाही किया जाय ।
- (6) व्यय उसी मद में किया जायेगा जिनके लिए यह धनराशि स्वीकृत की जा रही है ।

3- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यव वर्तमान वित्तीय वर्ष 2008-2009 के आय-व्ययक के अनुदान संख्या-04 के अन्तर्गत लेखा शीर्षक "2014-न्याय प्रशासन-00-आयोजनेतर-800-अन्य व्यय-09- उत्तराखण्ड न्यायिक एवं विधिक अकादमी-00" के अन्तर्गत संलग्नक बी०एम०-15 के स्तम्भ-5 में अंकित सुसंगत प्राथमिक इकाइयों के नामें डाला जायेगा ।

4- यह आदेश वित्त अनुभाग-5 के अशासकीय संख्या-120एनपी/XXVII(5)/2008, दिनांक 5.6.2008 में प्राप्त उनकी सहमति से निर्गत किये जा रहे हैं ।

भवदीय,

संलग्नक- बी०एम०-15 ।

(आर०डी०पालीवाल)

सचिव ।

संख्या : 3-दो(3)/XXXVI(1)/2008-1-दो(3)/08-तद्दिनांक ।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार (लेखा एवं हकदारों), उत्तराखण्ड, माजरा, देहरादून ।
- 2- मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन, देहरादून ।
- 3- वरिष्ठ कोषाधिकारी, नैनीताल ।
- 4- वित्त अनुभाग-5, उत्तराखण्ड शासन ।
- 5- एन०आई०सी०/सम्बन्धित सहायक/गार्ड बुक ।

आज्ञा में,

(आलोक कुमार वर्मा)

अपर सचिव ।

पुनर्विनियोग 2008-2009 आयोगनंतर

निदेशक अधिकारी का नाम- निदेशक उत्तराखण्ड न्यायिक एवं विधिक अकादमी, भवाली, नैनीताल
प्रशासनिक विभाग का नाम- न्याय विभाग, उत्तराखण्ड शासन, देहरादून।

वज्रत आर्थिक तथा सेवा शीर्षक का विवरण	मानक मंदकार अवधारणिक व्यय	वित्तियत एवं की संख्या अवधि में अनुमानित व्यय	आवक (सालाना) घनता	लेखा शीर्षक अंतर्गत व्यय व्यय-00-09-उत्तराखण्ड न्यायिक एवं विधिक अकादमी	मुल्यवर्धन के बाद स्तम्भ-5 को कुल घनता	पुनर्विनियोग के बाद स्तम्भ-1 में अवशेष घनता	(घनता में हानि रूप में)
1	2	3	4	5	6	7	8
2014-न्याय प्रशासन-00-आयोगनंतर-105- सिपित और सेवा न्यायालय-05-न्यायिक भवनों का प्रतिकर				2014-न्याय प्रशासन-00-आयोगनंतर-800-अव व्यय-00-09-उत्तराखण्ड न्यायिक एवं विधिक अकादमी			क. मिलान क कारण उपर्युक्त घनता ज. प्राप्ति न होने एवं आवक घनता के कारण।
42-अन्य व्यय	5000	1000	4000-क	08-कार्यलय व्यय 16-व्यावसायिक तथा विज्ञान सेवाओं के लिए भुगतान 46-कम्प्यूटर हार्डवेयर/सफ्टवेयर का व्यय	2000 50 1000	2000 51 1800	1950
कुल घनता	5000	1000	4000		4050	1950	

प्रमाणित किया जाता है कि पुनर्विनियोग से बजट मैनुअल के परिच्छेद 150-156 में उल्लिखित प्रावधानों एवं संशोधनों का उल्लंघन नहीं किया गया है।

उत्तराखण्ड शासन

नियंत्रण विभाग

संख्या-1208/सी.ड./XXV/15/2008

दिनांक : 5 दूर, 2008

पुनर्विनियोग स्वीकृत

सेवा में,

महालेखाकार (लेखा एवं हकदारों),

उत्तराखण्ड, आंध्रप्रदेश विलिडिंग, महानगर रोड,

भाजरा, देहरादून।

(हस्ताक्षर)

अपर सचिव, नित्य।

संख्या- 3-दो(3)XXXVI(12008-1-दो(3)08-टीसी-तदुद्दिनांक।

प्रतिनिधि निर्मासिद्धि को सूचना एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित -

निदेशक, उत्तराखण्ड न्यायिक एवं विधिक अकादमी, भवाली, नैनीताल।

वरिष्ठ कोषाधिकारी, नैनीताल।

वित्त अनुभाग-5, उत्तराखण्ड शासन/एनआईसी/सम्बन्धित सहायक/गाई बुक।

अज्ञात

(आलोक कुमार वर्मा)

अपर सचिव।